This question paper contains 3 printed pages.

4595

Your Roll No. ....

B.A. Prog. / III **AS**

APPLICATION COURSE— DISASTER MANAGEMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any five questions.
All questions carry equal marks.

*किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Define 'hazard', 'disaster', 'perception' and 'response'.

संकट, आपदा, प्रत्यक्षण तथा अनुक्रिया की परिभाषा दीजिए।

2. How is drought different from other environmental hazards? Elaborate on its consequences.

सूखा किस प्रकार अन्य पर्यावरणी संकटों से भिन्न है? इसके दुष्परिणामों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the significance of the pre-disaster preparedness stage in disaster management.

आपदा-प्रबंधन में आपदा-पूर्व तैयारी की अवस्था के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

4. What is the significance of promoting public education and information on disasters?

आपदाओं के बारे में जनता को शिक्षित करना और सूचना देने की क्या महत्ता है?

5. Elaborate on the need for policies and laws on natural disaster reduction.

प्राकृतिक आपदाओं को कम करने से संबंधित नीतियों और क़ानूनों की आवश्यकता की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

6. Explain the importance of prediction in disaster management, with special reference to cyclones.

आपदा-प्रबंधन में पूर्वानुमान के महत्त्व की, चक्रवातों के विशेष संदर्भ में, व्याख्या कीजिए।

7. How can ecological planning help in disaster mitigation?

आपदा को दूर करने में पारिस्थितिक आयोजन किस प्रकार मदद दे सकता है ?

8. Write notes on :

(*i*) Role of international agencies in disaster management

(*ii*) Threats of volcanic eruptions

(*iii*) Use of GIS in disaster management.

निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) आपदा-प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों की भूमिका

(*ii*) ज्वालामुखी उद्‌गारों की आशंकाएँ

(*iii*) आपदा-प्रबंधन में GIS का उपयोग।